Dainik Bhaskar (Indore), 05th October 2025, Page – 02

सिटी एंकर

आईआईटी इंदौर का बड़ा कदम; स्वच्छता प्रबंधन पर राष्ट्रीय कार्यशाला में जुटे विशेषज्ञ

सिंहस्थ-2028 के लिए तैयार होंगे स्मार्ट टॉयलेट्स, सफाई अलर्ट सिस्टम के साथ विकलांगों की सुविधाओं के लिए रैंप भी होगा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

उज्जैन में 2028 में लगने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले में आईआईटी, इंदौर की तकनीक भी देखने को मिल सकती है। आईआईटी ने बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) के सहयोग से मोबाइल टॉयलेट मैनेजमेंट विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला की। इसका उद्देश्य बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान सुरक्षित, समावेशी और सतत स्वच्छता प्रबंधन के लिए ठोस रणनीतियां विकसित करना था। इसमें स्मार्ट टॉयलेट्स की जानकारी दी गई जिसमें सफाई अलर्ट सिस्टम के साथ विकलांगों की सुविधाओं के लिए रैंप भी रहेंगे।

आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी ने सिंगापुर की एनटीयू यूनिवर्सिटी में देखे गए 3डी-प्रिंटेड टॉयलेट प्रोजेक्ट का विशेष उल्लेख किया। प्रो. जोशी ने कहा कि ऐसे नवाचार भारत के स्वच्छता तंत्र को एक नई दिशा और आधुनिक पहचान दे सकते हैं। उन्होंने कहा, स्वच्छता केवल अवसंरचना नहीं, बल्कि यह मानव गरिमा और सतत विकास का प्रतीक है। डिजाइन, टेक्नोलॉजी और शासन एक साथ काम करें तो तब भारत सार्वजनिक स्वच्छता में वैश्विक मानक स्थापित कर सकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सिंहस्थ जैसे आयोजनों के लिए आईआईटी इंदौर सहयोगी बना रहेगा।

टीईईएस फ्रेमवर्क बना आकर्षण का केंद्र

आईआईटी इंदौर के सहायक प्रोफेसर डॉ. आशुतोष मंडपे ने टीईईएस फ्रेमवर्क (टेक्निकल, इकोनॉमिक, इन्वायरन्मेंटल, सोशल) की जानकारी दी। इस ढांचे के माध्यम से स्थल-विशिष्ट और समावेशी टॉयलेट्स डिजाइन का प्रस्ताव रखा गया, जिनमें रैंप और यूनिवर्सल एक्सेस, सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था, स्मार्ट सफाई अलर्ट सिस्टम और बायोगैस उत्पादन इकाइयां जैसी विशेषताएं शामिल थी। डॉ. मंडपे ने कहा, हमारा उद्देश्य ऐसा तंत्र विकसित करना है जो प्रत्येक उपयोगकर्ता की सुरक्षा, गरिमा को मजबूत करे।

कार्यशाला में 80 से अधिक प्रतिभागियों ने रखे विचार

कार्यशाला में आईआईटी के साथ ही आईआईएम इंदौर, सीएसआईआर, जल शक्ति मंत्रालय और सरकारी संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। चर्चाओं में रैपिड डिप्लॉयमेंट, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण और बीआईएस मानकों के अनुरूप शासन मॉडल प्रमुख विषय रहे। कार्यक्रम में 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। जल शक्ति मंत्रालय के पूर्व सलाहकार सुनील कुमार अरोड़ा, सीएसआईआर-नीरी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुनील कुमार, आईआईटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. प्रियंक शर्मा भी मौजूद रहे।